❋ पवित्रता एवं प्राप्तियां ❋

❋ पवित्रता ब्राह्मण जीवन का फाउण्डेशन है।
❋ पवित्रता ब्राह्मण जीवन का स्वधर्म एवं जीयदान है।
❋ पवित्रता ब्राह्मण जीवन का श्रेष्ठ श्रृंगार है।
❋ पवित्रता ब्राह्मण जीवन का जन्म सिद्व अधिकार है।
❋ पवित्रता ब्राह्मण जीवन का आहार, व्यवहार और विचार है।
❋ पवित्रता ब्राह्मण जीवन की विशेषता, नवीनता और चमक है।
❋ पवित्रता ब्राह्मण जीवन का आदि अनादि स्वरूप है।
❋ पवित्रता ब्राह्मणों का सबसे पहला अधिकार है।
❋ पवित्रता ब्राह्मणों का निजी संस्कार है।
❋ पवित्रता संगमयुग की प्रॉसपर्टी है।
❋ पवित्रता विश्व परिवर्तन का आधार है।
❋ पवित्रता भविष्य 21 जन्मों का फाउण्डेशन है।
❋ पवित्रता सुख, शान्ति की जननी है।
❋ पवित्रता माया के अनेक विघ्नों से बचने की छत्रछाया है।
❋ पवित्रता याद वा सेवा की सफलता का आधार है।
❋ पवित्रता कर्म की गति और विधि का आधार है।
❋ पवित्रता की ही मान्यता और महानता है।
❋ पवित्रता की धारणा ही धर्मसत्ता है।
❋ पवित्रता ही स्वच्छता और श्रेष्ठता है।
❋ पवित्रता की दुआ में बहुत बड़ी शक्ति है।
❋ पवित्रता के आधार से ही भविष्य के लिए नंबर मिलते हैं।
❋ पवित्रता, पवित्रता को खींचती है।
❋ पवित्रता लगाव व झुकाव -मुक्त बनाती है।
❋ पवित्रता ईष्ट और अष्ट देव बनाती है।
❋ पवित्रता प्रकृति को भी पावन बनाती है।
❋ पवित्रता आकर्षण-मुक्त बनाती है।
❋ पवित्रता दिनचर्या को युक्तियुक्त बनाती है।
❋ पवित्रता सिद्धि स्वरूप सहज बनाती है।
❋ पवित्रता होलीहंस और पूज्यात्मा बनाती है।
❋ पवित्रता विशेष आत्मा बनाती है।
❋ पवित्रता सर्वशक्तियों से संपन्न बनाती है।
❋ पवित्रता सफल तपस्वी बनाती है।
❋ पवित्रता जीवनमुक्त बनाती है।
❋ पवित्रता सच्चा हीरा बनाती है।
❋ पवित्रता हर्षितचित्त और प्रसन्नचित्त बनाती है।
❋ पवित्रता सबसे महान बनाती है।
❋ पवित्रता सत्यस्वरूप बनाती है।
❋ पवित्रता रिचेस्ट इन दी वर्ल्ड बनाती है।
❋ पवित्रता सुखमय जीवन बनाती है।
❋ पवित्रता बापदादा के दिलतख्तनशीन बनाती है।
❋ पवित्रता मायाजीत बनाती है।
❋ पवित्रता विकारों में जलती आत्माओं को शीतल बनाती है।
❋ पवित्रता विश्व के जड़, चैतन्य सब को पवित्र बना देती है।
❋ पवित्रता की शक्ति नेत्रहीन को तीसरा नेत्र देती है।
❋ पवित्रता सारे सृष्टि रूपी मकान को गिरने से थमाती है।
❋ पवित्रता दु:ख, अशान्ति से मुक्त बनाती है।
❋ पवित्रता लाइट का क्राउन है।
❋ पवित्रता की सबसे बड़ी स्टेज है - ऑनेस्ट रहना।
❋ पवित्रता मुख पर मुस्कराहट लाती है।
❋ पवित्रता रूहानी खुशबू का अनुभव कराती है।
❋ पवित्रता से चेहरे पर रूहानियत की झलक आती है।
❋ पवित्रता बाप के समीपता का अनुभव कराती है।
❋ पवित्रता सर्व हद की कामनाओं पर जीत दिलाती है।
❋ पवित्रता अन्धकार को मिटाती है।
❋ पवित्रता से ही रॉयल्टी आती है।
❋ पवित्रता सन्तुष्टता का अनुभव कराती है।
❋ पवित्रता सदा के लिए सर्व प्राप्तियां कराने वाली है।
❋ पवित्र दृष्टि शक्तिशाली बनाती है।
❋ पवित्रता की पर्सनैलिटी सब के सिर झुकाती है।
❋ पवित्र भव, योगी भव - ब्राह्मण जीवन का पहला वरदान है।
❋ मैं परम पवित्र आत्मा हूँ - ब्राह्मणों का स्वमान है।
❋ पवित्र जीवन - बापदादा द्वारा प्राप्त वरदानी जीवन है।
❋ पवित्र आत्मायें जहान के नूर हैं।
❋ पवित्र आत्माओं के पास सुख, शान्ति स्वत: ही आती है।
❋ पवित्रता ऐसी अग्नि है जो सेकंड में विश्व के किचड़े को भस्म कर सकती है।
❋ पवित्रता की शक्ति से किसी भी आत्मा की दृष्टि, वृति व कृति को बदल सकते हो।
❋ पवित्रता के संकल्प द्वारा किसी भी अपवित्र संकल्प वाली आत्मा को परख और परिवर्तन कर सकते हो।
❋ पवित्रता का सम्पूर्ण स्वरूप है - ब्रह्मचारी के साथ-साथ ब्रह्माचारी बनना।
❋ पवित्रता के आधार पर सत्यता का स्वरूप स्वत: सिद्ध होता है।
❋ पवित्रता से सारे विश्व की अपवित्रता को समाप्त कर सकते हैं।

> पवित्रता बढ़ाने के लिए स्लोगन याद रखो न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा सोचो, न बुरा बोलो और न बुरा करो।
> आत्म-अभिमानी बनो। > आत्मिक दृष्टि बनायें। > अशरीरीपन की ड्रिल करें।
> अभ्यास करें-मैं सम्पूर्ण पवित्र आत्मा हूँ, अवतरित फरिश्ता हूँ, अपने देवताई स्वरूप को इमर्ज करें।

ओम् शान्ति